वेदों में गोमांस पर प्रेस वक्तव्य

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर, 2015

बिहार महागठबंधन के नेता एवं पूर्व केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्री **श्री रघुवंश प्रसाद सिंह का यह बयान नितांत बचकाना और निन्दनीय है कि वेदों में गोमांस खाने का विधान है और प्राचीन काल में हमारे ऋषि मुनि गोहत्या कर गोमांस खाया करते थे।** लगता है कि वे उन पाश्चात्य टीकाकारों से प्रभावित हैं जो अपनी सुविधानुसार सायण, महीधर, उव्वट तथा कतिपय वाममार्गी विचारकों से प्रेरित होकर वेद के मंत्रो के अर्थ का अनर्थ कर दिया।

मैं साधना टी०वी० चैनल पर मेरे कार्यक्रम ''वेद मंथन'' में **श्री रघुवंश जी को शास्त्रार्थ के लिए यथा शीघ्र आमंत्रित करता हूँ।** बिहार की पावन धरती पर आदि शंकराचार्य और मण्डन मिश्र के बीच सहरसा के निकट महिषी गांव में ऐतिहासिक शास्त्रार्थ हुआ था। आज टेलीविज़न के युग में मैं उन्हें नोयडा स्थित साधना स्टूडियो में आमंत्रित करता हूँ। कृपया वे अपनी सुविधा बतायें। हम आर्य समाज की ओर से उनके पटना से दिल्ली आने जाने की समुचित व्यवस्था करेंगे। यदि वे पटना से ही वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के माध्यम से अथवा स्काइप के माध्यम से हमारे vaidicvision.com वेब चैनल पर शास्त्रार्थ करना चाहें तो उसका भी स्वागत है।

यदि श्री रघुवंश प्रसाद सिंह चुनाव प्रचार की आपाधापी में बिना सोचे विचारे ऐसी अनर्गल बात कहकर पछता रहे हों तो **उन्हें तत्काल सार्वजनिक रुप से माफी मांगनी चाहिए** और वेदों के बारे में उचित जानकारी का प्रयास करना चाहिए। मैं व्यक्तिगत रुप से उनकी मदद करने के लिए तैय्यार हूँ।

स्वामी अग्निवेश

मो. 98109 76705

E-mail: agnivesh70@gmail.com